जागरण

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर उत्तर प्रदेश

Author: **Umesh Tiwari**

Publish Date: Mon, 06 Jun 2022 09:46 PM (IST) | Updated Date: Mon, 06 Jun 2022 09:46 PM (IST)

UP Vidhan Mandal Special Session मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सुदृढ़ कानून व्यवस्था से प्रदेश में विकास और निवेश का माहौल बना है। ईज आफ लिविंग का लक्ष्य प्राप्त किया जाना विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों का केंद्र बिंदु है।

लखनऊ [राज्य ब्यूरो]। UP Vidhan Mandal Special Session: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि राष्ट्रीय पटल पर उत्तर प्रदेश समर्थ प्रदेश के रूप में उभरा है। उत्तर प्रदेश देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। देश के सकल घरेलू उत्पाद में सबसे ज्यादा योगदान महाराष्ट्र का है। तमिलनाडु दूसरे और उससे थोड़ा पीछे उत्तर प्रदेश तीसरे स्थान पर है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अमृत महोत्सव के अवसर पर विधान सभा मंडप में विधानमंडल की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द के उद्बोधन से पहले दोनों सदनों के सदस्यों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर सीएम योगी ने कहा कि नए भारत का नया उत्तर प्रदेश निरंतर आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर है। प्रदेश सरकार राज्य के समग्र विकास के साथ ही गांव, गरीब, किसानों, नौजवानों, महिलाओं सहित समाज के सभी वर्गों के कल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सुदृढ़ कानून व्यवस्था से प्रदेश में विकास और निवेश का माहौल बना है। ईज आफ लिविंग का लक्ष्य प्राप्त किया जाना विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों का केंद्र बिंदु है। उत्तर प्रदेश वर्तमान में केंद्र सरकार की चार दर्जन कल्याणकारी योजनाओं में पहले स्थान पर है। प्रदेश के युवाओं को नौकरी और रोजगार प्रदान करने और उन्हें सामथ्र्यवान बनाने के लिए राज्य सरकार कृत संकल्पित है। प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। इन प्रयासों से उप्र देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आजादी के आंदोलन की सबसे बड़ी मांग अपना कानून बनाने की थी। इस मांग के फलस्वरूप ही पांच जनवरी 1887 को विधान परिषद का गठन हुआ जिसने कालांतर में उप्र विधानमंडल की शक्ल अख्तियार की। आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान हमें अगले 25 वर्षों के लिए देश-प्रदेश को नई ऊंचाइयां देने के लिए नए संकल्प लेने हैं। स्वतंत्रता आंदोलन के गुमनाम नायकों को अपने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए योगी ने कहा कि आजादी के इतिहास के पन्नों में भले ही उन्हें उचित स्थान न मिला हो लेकिन उनके योगदान को विस्मृत नहीं किया जा सकता है।